डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 03.10.2017

सप्ताह भर मे हस्ताक्षरित हुआ दूसरा एम0ओ0यू0 : विश्वविद्यालय व किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के मध्य हस्ताक्षरित हुआ सहमति पत्र

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की पहल पर सप्ताह भर में शोध एवं शैक्षणिक गुणवत्ता सुनश्चयन की दृष्टि से दूसरा एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया। इस बार यह एम0ओ0यू0 (सहमति पत्र) विश्वविद्यालय एवं किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के मध्य हस्ताक्षरित किया गया। इस सहमति पत्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के लाइफ साइंसेज (जीवन विज्ञान) विभागों में शोध गुणवत्ता उन्नयन के संदर्भ में शोध एवं शैक्षाणिक आदान–प्रदान के अंतर्गत दोनो विश्वविद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों को एक दूसरे के यहां कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। यह समझौता पत्र किंग जार्ज चिकित्सा वि0वि0 लखनऊ की तरफ से कुलपति प्रो0 मदल लाल ब्रहमभटट तथा डा0 राम मनोहर लोहिया अवध वि0वि0 की तरफ से कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर में हस्ताक्षरित किया। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो0 दीक्षित के अतिरिक्त पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 जसवंत सिंह भी इस ऐतिहासिक अवसर के गवाह बने।

ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित जीवन विज्ञान क्षेत्र से जुडे विभागों यथा–बायोकेमेस्ट्री, पर्यावरण विज्ञान एवं माइक्रोबायलाजी विभागों में शोध की व्यापकता एवं गुणवत्ता उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संसथानों से शोध क्षेत्र में तालमेल स्थापित करने के उददेश्य से गत दो माह से निरन्तर प्रयासरत था। कुलपति प्रो0 दीक्षित की प्रेरणा तथा प्रयास के फलस्वरुप विश्वविद्यालय को इस क्षेत्र में आज दूसरी सफलता प्राप्त हुईं। इसके पूर्व 27 सितम्बर को विश्वविद्यालय एवं भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान लखनऊ के मध्य शैक्षणिक आदान प्रदान के संदर्भ में सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया जा चुका है। यह भी ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय तथा अयोध्या शोध संस्थान के मध्य पूर्व मे ही उक्त प्रकार का सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया जा चुका है।

उक्त सहमति पत्रों के हस्ताक्षरित किए जाने के उपरांत परिसर के जीवन–विज्ञान क्षेत्र से संबंधित विभागों के शिक्षकों तथा शोध छात्रों को उक्त संस्थानों में उच्च शोध से संबंधित समस्त उपकरणो एवं संसाधनों को उपयोग मे लाने की छूट प्राप्त हो जाएगी, जिसके फलस्वरुप परिसर के छात्र उच्च शोध से संबंधित क्रियाकलापों को निःशुल्क संपादित करने में सक्षम हो सकेगे। इसके अतिरिक्त इन संस्थानों द्वारा आयोजित किसी भी ट्रेनिंग प्रोग्राम, कार्यशाला संगोष्ठी तथा विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परिसर के शिक्षक एवं शोध छात्र निश्शुल्क प्रतिभाग कर सकेंगे। इसी क्रम में विश्वविद्यालय तथा उक्त दोनो संस्थानों के शोधकर्ता एक दूसरे के शोध छात्रों को अपने निर्देशन में शोध करा सकेंगे।

यह भी ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय स्तर से शैक्षणिक परिसर में शोध एवं शिक्षण गुणवत्ता के उन्नयन के संदर्भ में देश के लगभग 1 दर्जन नामी गिरामी संस्थानों से सहमति पत्र हस्ताक्षरित किए जाने के लिए कुलपति के स्तर से प्रयास किए जा रहे हैं। कुलसचिव संजय कुमार ने बताया कि उक्त सहमति पत्रों को हस्ताक्षरित किए जाने के दूरगामी परिणाम प्राप्त होते हैं।

ज्ञात हो कि शैक्षणिक जगत में शोध को बढावा देने के उददेश्य से उक्त प्रकार के सहमति पत्रों को हस्ताक्षरित करना एवं संस्थानों के मध्य शोध सुविधाओं एवं संसाधनों का आदान–प्रदान विशिष्ट उपलब्धि माना जाता है।

नोट : फोटो संलग्न है।

मीडिया प्रभारी